MEDIA COVERAGE

कृषि विश्वविद्यालय में सजी कार्यशाला

पालमपुर– प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र, ऊना में अखिल भारतीय शोध परियोजना के गृह विज्ञान प्रसार घटक के अंतर्गत 13 स्वयं सहायता समूहों तथा संबंधित विभागों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन पालमपुर में किया गया। कार्यशाला आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों तथा उसके लाभार्थियों को एक मंच पर लाना था ताकि वे मिल बैठकर अपनी समस्याओं को सुलझा सकें। परियोजना की मुख्य अंवेषक डा. प्रोमिला कंवर ने कार्यशाला के बारे जानकारी देते हुए कहा कि कार्यशाला में स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने समूह की समस्याओं व आय सृजन पर अपने विचार साझे किए।

दिव्य हिमाचल Sat, 08 October 2016
epaper.divyahimachal.c

आर्थिक रूप से सम्पन्न महिला समूहों पर की चर्चा

महिला स्वयं सहायता समूहों को सुदृढ़ करने के लिए कार्यशाला आयोजित

ऊना, 7 अक्तूबर (कंवर): अखिल भारतीय समन्वयित अनुसंधान परियोजना (गृह विज्ञान) के तहत गृह विज्ञान प्रसार व संचार प्रबंधन विभाग द्वारा हिमाचल के विभिन्न जिलों में महिला स्वयं सहायता समूहों से संपर्क कर समूहों से संबंधित जानकारी एकत्रित की। परियोजना की मुख्य अन्वेषक डा. प्रोमिला कंवर ने कृषि विज्ञान केंद्र ऊना के सौजन्य से जिला के चयनित महिला समूहों और समूहों के गठन से जुड़े विभिन्न विभागों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें कृषि उपनिदेशक डा. यशपाल चौधरी, उपनिदेशक उद्यान डा. जय प्रकाश शर्मा, उपनिदेशक आतमा परियोजना डा. रविन्द्र जसरोटिया, परियोजना अधिकारी जिला ग्रामीण विकास अभिकरण आर.के. गौतम, खंड परियोजना प्रबंधक फसल विविधीकरण जाइका डा. नरेन्द्र धीमान, सुमन बाला, अशोक धीमान व अन्य ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के शुभारंभ पर कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम समन्वयक डा. ए.आर. खान ने अधिकारियों व महिला समूह के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। डा. प्रोमिला कंवर ने प्रस्तुति के माध्यम से ऊना जिला के 42 महिला समूहों से संबंधित जानकारी और मंडी व सिरमौर जिला की आर्थिक गतिविधियों में सम्पन्न महिला समूहों पर चर्चा की। लठियाणी से आम्रपाली समूह की प्रधान सत्या देवी, चड़तगढ़ से कृषि महिला समूह की प्रधान नरेश कुमारी, घालूवाल से समूह सदस्य रेखा सैनी, लमलेहड़ा महिला समूह सचिव रेखा, थानाकलां से सरोज बाला व बेहड़ी मोहल्ला महिला समूह की प्रधान उर्मिला देवी ने स्वयं सहायता समूह की गतिविधियों, परेशानियों व ऋण से संबंधित बातें सभी के समक्ष रखी। इसके अतिरिक्त डा. योगिता शर्मा व शोधकर्त्ता अंजू ने बताया कि अधिकतर महिला समूह माइक्रो फाइनांस से जुड़े हैं। बड़े कम समूह आय उपार्जन में लगे हुए हैं। कार्यशाला में के.वी.के. ऊना के डा. संजय शर्मा (मृदा विज्ञान) व डा. संजय कुमार शर्मा (कीट विज्ञान) ने भी हिस्सा लिया।

पंजाब केसरी ई-पेपर Sat, 08 October 2016
epaper.punjabkesari.in//c/14054778

ऊना में महिलाओं को स्वरोजगार पर टिप्स

दिव्य हिमाचल ब्यूरो, ऊना

अखिल भारतीय समन्वायत अनुसंधान परियोजना (गृह विज्ञान) के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र ऊना परिसर में महिला स्वयं सहायता समूह को सदृढ़ करने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय समन्वायत अनुसंधान परियोजना की मुख्य अन्वेषक डा. प्रोमिला कंवर ने विशेष तौर पर शिरकत की और महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर अपनी आर्थिकी सुदृढ़ करने की जानकारी दी। कार्यक्रम में उपनिदेशक कृषि डा. यशपाल चौधरी, उपनिदेशक उद्यान डा. जय प्रकाश शर्मा, उपनिदेशक आत्मा परियोजना डा. रविंद्र जसरोटिया, परियोजना अधिकारी जिला ग्रामीण विकास अभिकरण आरके गौतम, खंड परियोजना प्रबंधक फसल विविधीकरण जाइका डा. नेरश धीमान, समन्यवक बाल विकास सेवा सुपरवाइजर सुमन बाला, उद्यान विशेषज्ञ डा. अशोक धीमान, कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम समन्वयक डा. एआर खान ने भी शिरकत की। इस मौके पर प्रोमिला कवंर ने महिलाओं से मंडी व सिरमौर जिला के आर्थिक गतिविधियों में संपन्न महिला समूहों पर चर्चा की। उन्होंने महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के जरिए अपनी आर्थिकी सुदृढ़ करने की भी जानकारी दी।

दिव्य हिमाचल Sat, 08 October 2016
epaper.divyahimachal.com

News Clipings

बच्चों को अच्छे संस्कार दें अभिभावक

कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कंडबाड़ी गांव में आज बाल दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर लगभग 50 महिलाओं, बच्चों व आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया। महाविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के अंतर्गत गोल्डी चोपड़ा व अरुणा राणा ने अभिभावकों को सलाह दी कि वे बच्चों को अच्छे संस्कार दें ताकि वे देश के श्रेष्ठ नागरिक बन सकें। उन्होंने कहा कि प्रारंभ से ही बच्चों को अच्छे गुण परिवार से मिलने चाहिए जिससे उनके जीवन की नींव सुदृढ़ हो तथा बड़े होकर अपने परिवार के साथ-साथ समाज के लिए आदर्श नागरिक सिद्ध हो सकें। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से कहा कि कहा कि वे बच्चों को पौष्टिक आहार दें ताकि उनका सही शारीरिक व बौद्धिक विकास हो सके।

Kangra Kesari, Wednesday 15th Nov. 2017 pp. IV

अमर उजाला

धर्मशाला | शुक्रवार | 27 मई 2016

आय उपार्जन के तरीके बताए

पालमपुर (कांगड़ा)। कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग ने सिंबलखोला, पंचरुखी में एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया। इसमें महिलाओं और विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागी महिलाओं को आय उपार्जन के कई तरीके सुझाए गए। गृह विज्ञान की छात्राओं ने बच्चों और महिलाओं को स्वच्छता एवं उपभोक्ता शिक्षा के बारे में प्रदर्शनी लगाकर महत्वपूर्ण जानकारी दी। शिविर में सिंबलखोला स्कूल के अध्यापक, बच्चे, गांव की महिलाएं, पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग के वैज्ञानिक डॉ. नीना व्यास, अरुणा राणा, प्रधान प्रवीण कुमारी आदि ने मुख्य रूप से भाग लिया।

19-5-2014

महिला सशक्तिकरण की गतिविधियों का निरीक्षण

सामाजिक समस्याओं पर किया विचार-विमर्श

महिलाओं को बताए संतुलित आहार के लाभ

---

4 | दैनिक जागरण धर्मशाला, 11 सितंबर 2013

www.jagran.com

वूमेन वेलफेयर एंड डिवेल्पमेंट एसोसिएशन की ओर से गोपालपुर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती महिलाएं। जागरण

गोपालपुर मे महिलाओं को दी हक की जानकारी

मशीनों से दैनिक कार्यों में आई सुगमता

पालमपुर, 28 फरवरी (भृगु): कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत क्रियाशील गृह विज्ञान महाविद्यालय में पर्वतीय कृषक महिलाओं के लिए नवीन औजारों व तकनीकों के प्रोत्साहन के लिए आयोजित शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर के समापन अवसर पर कुलपति डा. श्याम कुमार शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार दैनिक कार्यों को करने में मशीनों के कारण सुगमता आई है उसी प्रकार श्रम साध्य कृषि कार्यों को करने के लिए कृषि औजारों के उपयोग से आसानी हुई है। इस अवसर पर प्रसार शिक्षा निदेशक डा. देसराज, शोध निदेशक डा. एस.पी.शर्मा, डा. रेखा मल्होत्रा व डा. जितेंद्र किश्तवाड़िया उपस्थित थे।

TRAINING ON FARM TOOLS CONCLUDES

SK Sharma, vice-chancellor of CSK-HPAU, distributed improved farm implements among the trainee farm ladies during the concluding ceremony of a five-day training programme on "Promotion of gender friendly implements for hill farm women under Rashtriya Krishi Vikas Yojna project in the College of Home Science.

Expressing his gratitude to the state department of agriculture for sanctioning a project on farm tools, Desh Raj, director, extension education, asked the farmers to adopt the latest farm technology to increase their production.

प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

कृषि औजारों और तकनीक की दी जानकारी

औजारों व तकनीक की जानकारी दी

धर्मशाला, बुधवार, 11 सितंबर, 2013

कांगड़ा

दिव्य हिमाचल divyahimachal.com

महिलाओं को बताए आय बढ़ाने के तरीके

हिमालय केसरी शुक्रवार FRIDAY 4 दिसम्बर, 20

पर्यटन कर्मियों ने सीखे अतिथ्य गुर

पालमपुर, 3 दिसम्बर (भृगु): पर्यटन विभाग के कर्मचारियों को आतिथ्य एवं अतिथ्य प्रबंधन के गुरों से अवगत करवाया गया। गृह विज्ञान महाविद्यालय में पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग के विशेषज्ञ ने प्रदेश पर्यटन विभाग के 25 कर्मचारियों को अतिथ्य शिष्टाचार परोसने की कला, होटल की स्वच्छता, हिमाचली व्यंजन बनाने, विभिन्न विधियों से सलाद तैयार करने व फर्नीचर के रखरखाव से जुड़े बिंदुओं बारे बताया, वहीं मेज सज्जा, पुष्प सज्जा, खाने की पौष्टिकता, बजट व सामान खरीदने के समय ध्यान योग्य बातों के गुर सिखाए। पर्यटन कर्मचारियों में दक्षता को बढ़ाने के लिए आयोजित इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में डा. जतिंद्र किशतवाड़िया, डा. अविनाश शर्मा, डा. मीना, डा. रेखा, डा. रंजना व अर्चना राणा ने पर्यटन कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर कुलपति डा. तेज प्रताप ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, वहीं प्रदेश में ईको टूरिज्म, एग्रो टूरिज्म व होम स्टे टूरिज्म को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर महाविद्यालय की टीम भी उपस्थित थी।

युवतियों को दी ब्यूटी पार्लर की ट्रेनिंग

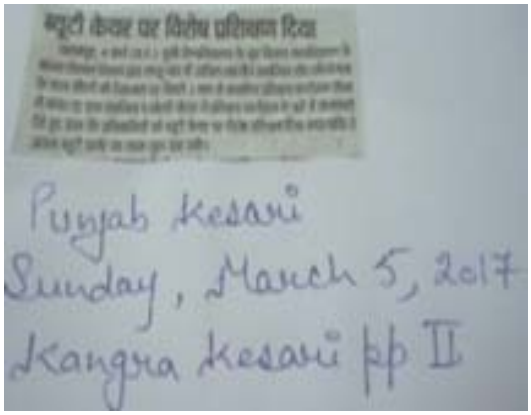

युवतियों को सिखाए ब्यूटी केयर के गुर

ब्यूटी केयर पर विशेष प्रशिक्षण दिया

Punjab Kesari
Sunday, March 5, 2017
Kangra Kesari pp II

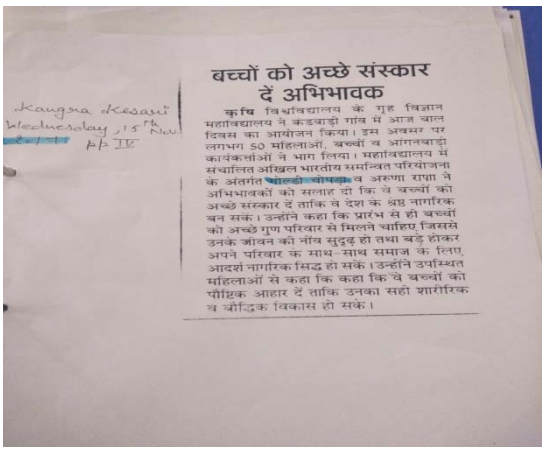

Kangra Kesari
Wednesday, 15th Nov
pp IV

बच्चों को अच्छे संस्कार दें अभिभावक

कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कंडबाड़ी गांव में आज बाल दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर लगभग 50 महिलाओं, बच्चों व आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया। महाविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के अंतर्गत गोल्डी चोपड़ा व अरुणा राणा ने अभिभावकों को सलाह दी कि वे बच्चों को अच्छे संस्कार दें ताकि वे देश के श्रेष्ठ नागरिक बन सकें। उन्होंने कहा कि प्रारंभ से ही बच्चों को अच्छे गुण परिवार से मिलने चाहिए जिससे उनके जीवन की नींव सुदृढ़ हो तथा बड़े होकर अपने परिवार के साथ-साथ समाज के लिए आदर्श नागरिक सिद्ध हो सकें। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से कहा कि कहा कि वे बच्चों को पौष्टिक आहार दें ताकि उनका सही शारीरिक व बौद्धिक विकास हो सके।

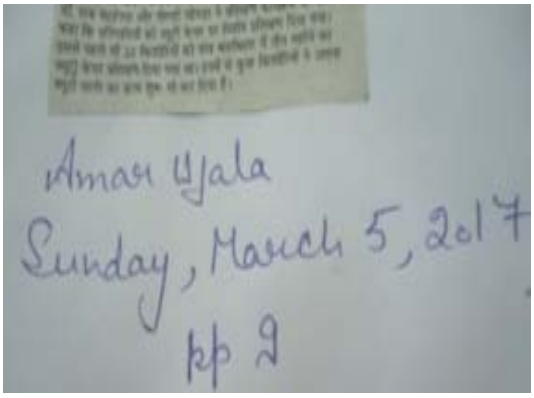

Amar Ujala
Sunday, March 5, 2017
pp 2

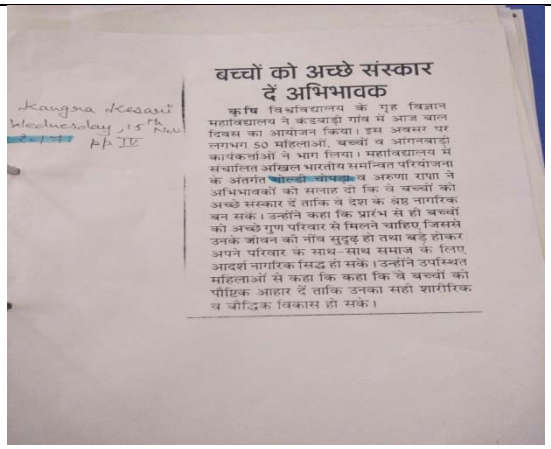

Kangra Kesari
Wednesday, 15th Nov
pp IV

बच्चों को अच्छे संस्कार दें अभिभावक

कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कंडबाड़ी गांव में आज बाल दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर लगभग 50 महिलाओं, बच्चों व आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया। महाविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय समन्वित परियोजना के अंतर्गत गोल्डी चोपड़ा व अरुणा राणा ने अभिभावकों को सलाह दी कि वे बच्चों को अच्छे संस्कार दें ताकि वे देश के श्रेष्ठ नागरिक बन सकें। उन्होंने कहा कि प्रारंभ से ही बच्चों को अच्छे गुण परिवार से मिलने चाहिए जिससे उनके जीवन की नींव सुदृढ़ हो तथा बड़े होकर अपने परिवार के साथ-साथ समाज के लिए आदर्श नागरिक सिद्ध हो सकें। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से कहा कि कहा कि वे बच्चों को पौष्टिक आहार दें ताकि उनका सही शारीरिक व बौद्धिक विकास हो सके।

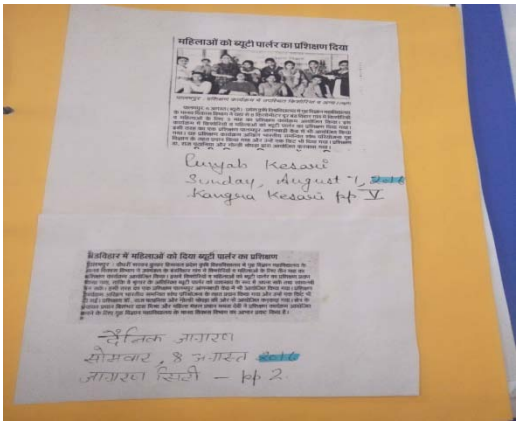

महिलाओं को ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण दिया
Punjab Kesari
Sunday, August 7, 2016
Kangra Kesari pp V
विहार में महिलाओं को दिया ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण
दैनिक जागरण
सोमवार, 8 अगस्त 2016
जागरण सिटी – pp 2